



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 118]
No. 118]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 10, 1985/ज्येष्ठ 20, 1907
NEW DELHI, MONDAY, JUNE 10, 1985/JYAISTHA 20, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 12 आई टी सी (पी एन)/85-88

नई दिल्ली, 10 जून, 1985

विषय—जापान की विदेश आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा विस्तारित भारतीय कृषक उर्वरक लि. (इफको) के ए ओ एन एल ए उर्वरक संयंत्र परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 8.195 बिलियन येन के येन क्रेडिट के लिए माल और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें ।

फाइल नं. आई पी मो/23 (16)/84-85—भारतीय कृषक उर्वरक लि. (इफको) के ए ओ एन एल ए उर्वरक संयंत्र परियोजना की आयात आवश्यकताओं के वित्तपोषण के लिए जापान की विदेश आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा विस्तारित 8.195 बिलियन येन के येन

क्रेडिट के अधीन आयात लाइसेंसों के निर्गमन को नियंत्रित करने वाली शर्तें जो प्रस्तुत सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, जानकारी के लिए अधिसूचित की जाती हैं ।

हस्ताक्षरित

(श्री इन्द्र त्रिपाठी)

मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 12-आई टी सी (पी एन)/85-88 दिनांक 10-6-85 का परिशिष्ट ।

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा विस्तारित भारतीय कृषक उर्वरक लि. (इफको) के ए ओ एन एल ए उर्वरक संयंत्र परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 8.195 बिलियन के येन क्रेडिट के अधीन माल और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंस शर्तें ।

खंड—1 सामान्य शर्तें :—

(1) इफको की ए ओ एन एल ए उर्वरक परियोजना की आयात आवश्यकताओं के वित्तपोषण के लिए जापान विदेशी

आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा विस्तारित 8.195 बिलियन येन क्रेडिट भारत सहित जापान और सभी विकासशील देशों के लिए रखा गया है। तदनुसार, इस क्रेडिट के अधीन अभिप्राप्त की जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं जापान और अनुबंध-1 की सूची में उद्धृत (भारत सहित) सभी देशों से आयात की जा सकती है। ये देश इस ऋण के अंतर्गत पाक्ष स्रोत देश होंगे।

(2) क्रेडिट के अधीन केवल उन्हीं मदों और उसी मूल्य के लिए लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए महानिदेशालय, तकनीकी विकास/पूँजीगत माल समिति द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई हो। इस क्रेडिट के अधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस (सी) येन का मूल्य 9.1 बिलियन (लागत-बीमा-भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का रुपये में मूल्य, राजस्व विभाग (सीमा-शुल्क) द्वारा अधिसूचित विनिमय दर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रचलित दर और मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना सं. 78-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा-2 के अनुसार आयात लाइसेंस में संकेतित दर पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख है कि सीमा शुल्क प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी लाइसेंस (सी) में विनिर्दिष्ट मुद्रा विनिमय दर पर लाइसेंस के मूल्य को नाम डालेंगे।

लाइसेंस पर "जापानी येन क्रेडिट सं. आई टी-पी-28" शीर्षक होगा। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस में "एस/जैसी" कोड होगा। इफको को आयात लाइसेंस भेजते समय मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के पत्र में भी इसे दुहराया जाएगा, जिसकी एक प्रति वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को पृष्ठांकित की जानी चाहिए।

(3) लागत-बीमा भाड़ा के आधार पर केवल इफको के नाम में लाइसेंस जारी किया जा सकता है।

(4) इफको की सुविधा पर निर्भर करते हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस क्रेडिट के अधीन जारी किए जा सकते हैं। लेकिन, कुल मूल्य येन 9.1 बिलियन (लागत-बीमा-भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए जैसा कि ऊपर पैरा (1) में कहा गया है।

(5) पूँजीगत माल के आयात के लिए लाइसेंस 24 मास की प्रारम्भिक वैधता अवधि के लिए जारी किए जाएंगे। वृद्धि करने के लिए/नया आयात लाइसेंस जारी करने के लिए अनुरोध, यदि कोई हो, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

(6) क्रेडिट के अधीन वित्तदान किए जाने वाले आयात, आयात लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विधिवत सत्यापित संलग्न माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिबंध है।

(7) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेषण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं जाएगी। भारतीय अभिकर्ता के कमोशन के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अभिकर्ता को भारतीय रुपये में किया जाना चाहिए। लेकिन, ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और इसलिए लाइसेंस पर ही प्रभारित किए जाएंगे।

(8) पक्के आवेश अनुबंध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभरकों को जहाज पर निःशुल्क लागत तथा भाड़े के आधार पर दिए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाने चाहिए। "पक्के आवेशों" का अर्थ विदेशी संभरकों को भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा दिए गए उन क्रय आवेशों से है जो विदेशी संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित हों या भारतीय आयातक और विदेशी संभरक दोनों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित क्रय संविदा हो। विदेशी संभरकों के भारतीय अभिकर्ताओं के आदेश या ऐसे भारतीय अभिकर्ताओं द्वारा पुष्टिकरण आवेश स्वीकार्य नहीं है।

(9) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेका की इस शर्त का तब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि ठेके के पूर्ण दस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीनों के भीतर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को नहीं पहुंच जाते। यदि उपर्युक्त पैरा 1(8) में यथा उल्लिखित पक्के आवेश चार महीनों के भीतर वैध कारणों से नहीं दिए जा सकते हैं तो चार महीनों के भीतर आवेश क्यों नहीं दिए जा सकते इन कारणों का उल्लेख करते हुए लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस को सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आवेश देने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आवेशनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों की और अवधि के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन, यदि वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिए मांगी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव निरपवाद रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे जो कि ऐसी वृद्धि के लिए प्रत्येक मामले की पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेंगे। जिसको वे लाइसेंसधारी को प्रेषित करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी वृद्धि प्रदान करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय पदाधिकारी, आयात लाइसेंस के अधीन किए गए संभरण ठेकों में बैंक गारंटी साख पत्र पर स्थापित करने के लिए प्राधिकार पत्र तुल्य रुपया जमा कराने आदि की स्वीकृति की सुविधाओं की अनुमति देंगे।

(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति से चार महीने के भीतर सभी भुगतान अवश्य पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पोतलदान पर अलग-अलग भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नकद आधार पर अर्थात् पोतलदान दस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरक से भारतीय आयातक को किसी भी किस्म की ऋण सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी माल के वितरण की अवधि के लिए ठेके में निम्नलिखित अनुसार व्यवस्था होनी चाहिए :—

“साख पत्र की प्राप्ति के बाद
महीने परन्तु अधिक से अधिक
के अन्त तक पूर्ण किया जाना है।”.....

पोतलदान के लिए आखिरी तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 31-12-88 के बाद की न हो।

खण्ड-2 सम्भरण ठेके का समझौता करते समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बातें

(1) ठेके का जहाज पर्यन्त निःशुल्क लागत तथा भाड़ा मूल्य येन में (येन की भिन्न के बिना) अभिव्यक्त होना चाहिए और इसमें भारतीय अधिकर्ता का समीक्षण यदि कोई हो तो वह शामिल नहीं होना चाहिए जो कि भारतीय रुपए में चुकाना चाहिए।

भारतीय रुपए या किसी अन्य मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। क्रय आभार और संभरण द्वारा पुष्टिकरण आदेश केना अंग्रेजी में होना चाहिए।

(2) ए ओ एन एल ए उर्वरक परियोजना के लिए ओ ई सी एफ येन क्रेडिट के अधीन वित्तदान दिए जाने वाले माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति निम्नलिखित शर्तों के साथ ऋण के अधीन अधिप्राप्ति के लिए निर्देशों के अनुसार की जाएगी :—

(क) इफको, पूर्व अर्हता के साथ ऋण की प्राप्ति में से वित्तदान के लिए माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति, औपचारिक खुली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा के माध्यम से करेगा। यदि इफको औपचारिक खुली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा से भिन्न अधिप्राप्ति क्रियाविधि अपनाता चाहता है तो वह इस संबंध में ओ ई सी एफ का पूर्व अनुमोदन प्राप्त करेगा और ओ ई सी एफ का अनुमोदन प्राप्त करने के लिए आवेदन पत्र आर्थिक कार्य विभाग के माध्यम से भेजेगा।

(ख) पूर्व अर्हता के विज्ञापन और/या अधिसूचना से पूर्व इफको पूर्व अर्हता से संबंधित दस्तावेज, अनुमोदन के लिए ओ ई सी एफ को प्रस्तुत करेगा। जब पूर्व अर्हता वाली फर्मों का चुनाव कर लिया गया हो तो इफको, अनुमोदन के लिए उन फर्मों की सूची ओ ई सी एफ को प्रस्तुत करेगा

और सभी सम्बद्ध दस्तावेजों को संलग्न करते हुए दिए गए चुनाव के कारणों को देते हुए चुनाव प्रक्रिया की रिपोर्ट भेजेगा।

(ग) एक सौ मिलियन येन (100,000,000) तक मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में इफको, बोली आमंत्रित करने से पूर्व, बोलीद्वारों के लिए सभी सूचनाओं और अनुदेशों, बोली संबंधी प्रपत्र, प्रस्ताविक संविदा, विनिर्दिष्ट और ड्राइंग और बोली से संबंधित सभी अन्य दस्तावेज, अनुमोदन के लिए निधि को प्रस्तुत करेगा। इस मामले में सफल बोलीदार के लिए अधिनिर्णय का नोटिस जारी करने से पहले इफको अधिनिर्णय के लिए बोलियों का विश्लेषण और प्रस्ताव निधि के उसके अनुमोदन के लिए प्रस्तुत करेगा।

(घ) एक सौ मिलियन येन (100,000,000) से कम किन्तु 20 मिलियन येन (येन 20,000,000) मूल्य से न कम मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में इफको की निधि का पूर्व अनुमोदन प्राप्त करना आवश्यक नहीं होगा किन्तु वह आदेश देने के बाद बोली से संबद्ध सभी दस्तावेज प्रस्तुत करेगा। इस मामले में अधिप्राप्ति निर्देश की धारा 4.09 की अन्तिम तीन पंक्तियाँ अमान्य होंगी।

(ङ) संविदा की धनराशि जब तक निधि द्वारा अन्यथा रूप से सहमत न हो गई हो 20 मिलियन येन से कम की नहीं होगी।

(च) किसी भी भिन्न के बिना जो एक येन है कम का हो संविदा जापानी येन में ही नियत एवं देय होगी।

(छ) बोली दस्तावेज में कौन-कौन से पात्र स्रोत देश हैं उन्हें दर्शाया जाएगा।

(ज) बोलियों के मूल्यांकन में किसी भी बोली को वरदान की गुंजाइश नहीं दी जाएगी।

(झ) इफको द्वारा उपयुक्त सभी दस्तावेज आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) के माध्यम से ओ ई सी एफ को दो प्रतियों में भेजे जाएंगे।

(3) विदेशी संभरण का भुगतान, उनके नाम में भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा 1984-85 के लिए ओ ई सी एफ, येन क्रेडिट (परियोजना महायत्ना) सं. आई डी पी-28 के अधीन खोले गए अपरिवर्तनीय साखपत्र के माध्यम से किया जाना चाहिए। जिसका ब्याज नीचे खंड-6 में दिया गया है।

(4) संभरण की पात्रता

संभरण पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिक होंगे या पात्र स्रोत देशों में शासित किए गए तथा पंजीकृत किए गए पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा शासित वैध व्यक्ति होंगे।

(5) अपात्र स्त्रोत देशों से अनुमेय देशों से अनुमेय आयात

जिन वस्तुओं में अपात्र स्त्रोत देशों में बनी हुई सामग्री निहित है उसका वित्तदान किया जा सकता है बशर्ते कि निम्नलिखित सूत्र के अनुसार ऐसी उत्पाद का प्रति एकक का मूल्य मदवार आधार पर आयातित भाग 30 प्रतिशत से कम हो :—

$$\frac{\text{आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क}}{\text{संभर का जहाँ पर निःशुल्क मूल्य}} \times 100$$

(भारतीय संभर के मामले में फैक्ट्री कीमत अपनाई जाएगी)

(6) संविदा में घोषणा

प्रत्येक संविदा में संभर द्वारा माल एवं संभर की पात्रता और संभर के हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जाएगी :—

“मैं, अधोहस्ताक्षरी एतद्द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संभरित किया जाने वाला माल (संबंधित पात्र स्त्रोत देश का नाम) से उत्पादित है।

“मैं, अधोहस्ताक्षरी आगे यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार अपात्र स्त्रोत देशों से आयातित भाग निम्नलिखित सूत्र के अनुसार 30 प्रतिशत से कम है :—

$$\frac{\text{आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क}}{\text{संभर का जहाँ पर निःशुल्क मूल्य}} \times 100$$

(जहाँ लागू हो फैक्ट्री कीमत बताएं)
और

“मैं, अधोहस्ताक्षरी, एतद्द्वारा सत्यापित करता हूँ कि (पात्र स्त्रोत देश का नाम) से (वस्तु का नाम) समाविष्ट और पंजीत हो चुकी है और पात्र स्त्रोत देशों के राष्ट्रियों द्वारा नियंत्रित है।”

3(1) संभरण ठेकों में समाविष्ट की जाने वाली शर्तें संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से समाविष्ट होने चाहिए :—

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) के बीच इफको के ए आ एन एल ए उर्वरक परियोजना के लिए एक क्रेडिट स. ओ ई डी पी-28 (परियोजना सहायता) से संबंधित 26 दिसम्बर, 1984 को हुए ऋण समझौते के अनुसार होनी चाहिए और यह भारत सरकार और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के अनुमोदन के होगा।

(ख) संभरकों को भुगतान, भारत सरकार और जापानी विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) के बीच एक क्रेडिट स. ओ ई डी पी-28 से संबंधित 26 दिसम्बर, 1984 को हुए ऋण समझौते के अंतर्गत वै. आ.फ. इंडिया टोकियो द्वारा जारी किए जाने वाले अतिरिक्तीय साख पत्र के माध्यम से किए जाएंगे।

(ग) विदेशी संभरण ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो ए. और भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर ओ ई सी एफ द्वारा एक ऋण के अधीन अपेक्षित हों।

(घ) 2(5) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाण पत्र (तीन प्रतियों में)।

(ङ) यदि किसी मामले में संभर जापान में रखा हो तो संभरण संविदा के संबंध में ए. धारा होनी चाहिए कि जापानी संभरण भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श पर पोत परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इस उद्देश्य के लिए वह भारतीय दूतावास, टोकियो को, शामिल माल की सुपुर्दगी के कार्यक्रम से अवगत करेगा और पोतबंदी से कम से कम 6 सप्ताह पूर्व भारतीय दूतावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहाँ भारतीय आयात इच्छा हो, सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरण को प्रत्येक पोतबंदी के पश्चात् आवश्यक जारी देते हुए बार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी ए. प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड 4 विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा ठेके का अनुमोदन

(1) लाइसेंसधारी को पक्का आदेश देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर इफको और विदेशी संभरकों दोनों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियाँ जो विदेशी संभरकों द्वारा लिखित में पुष्टि आदेश के साथ हों या उनकी हर प्रतार के पूर्ण फोटो प्रतिधा संगत वैध आयात लाइसेंस की दो फोटो प्रतियाँ सहित, जापान अनुभाग, कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

(2) उपर्युक्त क्रियाविधि सभी ठेकों के लिए और ठेकों की विषय वस्तु के लिए अतिरिक्त आशोधनों को कारण संशोधनों या उनकी कीमतों पर भी लागू होगी।

(3) वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) जापान अनुभाग, इफको के ए आ एन एल ए उर्वरक परियोजना के

लिए येन क्रेडिट सं. आई टी पी-(28) परियोजना सहायता के अन्तर्गत वित्तदान सहकारिता करने के लिए विदेशी आर्थिक निधि (ओ ई सी एफ) को संविदा दस्तावेजों की एक प्रति उनके अनुमोदन के लिए भेजने की व्यवस्था करेगा।

खण्ड-5 विदेशी संभरकों को भुगतान साख पत्र क्रियाविधि

5(1) विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) के ठेके के अनुमोदन की सूचना मिलने पर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग जापान अनुभाग द्वारा इफको और सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक को उसकी सूचना दे दी जाएगी। उसके बाद इफको की सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक (जिने इसके बाद सी ए ए एण्ड ए कहा गया है) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू.पी. ओ बैंक बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली को अनुबंध-2 के रूप में संलग्न प्रपत्र में प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध करना चाहिए। सी ए ए एण्ड ए संबंधित विदेशी संभरक के लिए संलग्न प्रपत्र-3 में एफ प्राधिकार पत्र जारी करेगा जो संबंध विदेशी संभरक के नाम में वास्तविक आयातों के लिए संलग्न अनुबंध-4 के रूप में या (सेवाओं के लिए) अनुबंध-5 के रूप में अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलने के लिए भारतीय बैंक की टोकियो साखा को भेजा जाना चाहिए। प्राधिकार पत्र की प्रतियाँ (विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ), भारतीय दूतावास, टोकियो भारत में आयातक के बैंक और जापान अनुभाग, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय को भी पृष्ठांकित की जाएंगी।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर, भारतीय बैंक टोकियो अनुबंध-4 आयातों के लिए लागू होता है (या 5) (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार संबंधित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साखपत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) भारतीय दूतावास, टोकियो भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी ए ए एण्ड ए से प्राधिकार पत्र के आधार पर साख पत्र खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संविदा संशोधन या अन्यथा के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/साख पत्रों के संशोधनों पर स्वतः लागू होगी।

5(3) माल का पोटलदान करने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से साख पत्र में उल्लिखित दस्तावेज भुगतान के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो को प्रस्तुत करेगा, यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरक को उसके बैंकों के माध्यम से रिहा करेगा और उसके बाद आयातों की लागत की धनराशि की प्रतिपूर्ति विदेशी आर्थिक निधि से प्राप्त करेगा।

5(4) साख पत्र खोलने उसके अधीन सीदा करने और यदि कोई विदेशी संभरकों के बैंकों के अन्य प्रभारों के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो को देय बैंकिंग प्रभार आयातक/देशी संभरकों द्वारा चुकाए जाएंगे उस अवधि के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो को देय बैंक प्रभार जो कि उनके द्वारा आयातों की कीमत के भुगतान की तारीख से ओ ई सी एफ द्वारा विदेशी संभरकों को प्रतिपूर्ति की तारीख तक होगा, का निपटान, भारत सरकार के लेखे को प्रभावी किए बिना सामान्य बैंकिंग सूत्रों के माध्यम से बैंक आफ इंडिया के लिए प्रेषण द्वारा भारत में आयातक के सम्बद्ध बैंक द्वारा किया जाएगा।

5(5) प्रतिपूर्ति क्रियाविधि: भारतीय संभरकों से माल एवं सेवाओं की खरीद के लिए ऋण की धनराशि के वितरण के लिए क्रियाविधि, ऋण समझौते के साथ नत्थी की गई प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अनुसार होगी।

प्रति जापानी येन के लिए भारतीय रुपए की विनिमय दर, निर्देश (गाइडलाइंस) की धारा 4.07 में यथा विशिष्टित बोली खुलने की तारीख को प्रवर्धित दर होगी। प्रतिपूर्ति के लिए आवेदन के साथ ऋणी मान्यता प्राप्त बैंक से एक प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करें जिसमें बोली खुलने की तारीख की येन रुपए की विनिमय दर का स्थापन किया जाएगा।

खंड-6 रुपया निक्षेप करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) भारतीय बैंक, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट में संकेतित अनुसार आयातक के प्राधिकृत बैंकर की निरपवाद रूप से परक्राम्य जहाजरानी दस्तावेज रिहा होने से पहले इस बात का सुनिश्चित करेगा कि भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली में रुपया निक्षेप कर दिया गया है। प्रथम 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष के हिसाब से गिनी गई येन भुगतान के समतुल्य रुपए के लिए व्याज प्रभार और वास्तविक रुपया निक्षेप की तारीख से विदेशी संभरक को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तारीख तक 18 प्रतिशत की दर से व्याज प्रभार भी मूल धनराशि के साथ सार्वजनिक सूचना सं. 31 आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार जमा कराने पड़ेंगे। इस बात को नोट कर लिया जाना चाहिए कि इन इन दोनों दिनों अर्थात् जिस तारीख को भुगतान किया जाता है और जिस तारीख को सार्वजनिक सूचना सं. 103-आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 12-10-74 द्वारा यथा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74-आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 31-5-74 के अनुसार व्याज लिया जाएगा। विदेशी संभरक को किये गए येन भुगतान के समतुल्य रुपए की गणना करने के लिए अपनायी जाने वाली विनियम की दर भुगतान की तारीख को लागू विनियम की यह मिश्रित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 109-आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 3-8-74 और सं. 8-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 17-1-76

में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो जो मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो।

इस सम्बन्ध में और व्याज की दर के सम्बन्ध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि आयातकों को अपने दस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि अपने ऋणदाताओं से दस्तावेजों की सुपुर्दगी लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक को जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से तुरन्त जमा कर दी है भले ही जब वे विशेष परिस्थितियों के अन्तर्गत सीमा शुल्क प्राधिकारियों से माल की सुपुर्दगी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार की देय धनराशि को माल की सुपुर्दगी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बन्द कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को आगे और आयात लाइसेंस जारी न किए जाएं। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त रुपया निक्षेप किया जाएगा वह “के डिपोजिट्स एण्ड एडवान्स-843 सिविल डिपोजिट्स—डिपोजिट्स फार परवेजिज एटस्ट्रा एन्ड एंडर क्रयिट्स लोन एप्रीमेंट” लोन फॉर्म दि गवर्नमेंट आफ जापान 8.195 बिलियन येन क्रेडिट सं. आईडीसी-28 फार एओनला फर्टीलाइजर प्रोजेक्ट” होना चाहिए।

6(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारों, दिल्ली में चालान के ऊपर दाहिनी ओर कोने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए सरकार की साख में सार्वजनिक सूचना सं. 184-आईटीसी (पीएन)/68, दिनांक 30-8-1968, सं. 233-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-68, सं. 132-आई टी सी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-71, सं. 74 आईटीसी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 और सं. 103-आईटीसी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 में यथा निर्धारित तरीके में जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर सम्बद्ध भारतीय बैंक भी ऊपर निर्धारित तरीके से यह अतिरिक्त धनराशि सेवाओं के निम्ति भेजेगा जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। चालान के विभिन्न कालमों को भरते समय आयातकों/उनके बैंकों को इस बात का सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी पी एन)/71,

दिनांक 5-10-1971 के पैरा-2 में निर्धारित सूचना चालान के कालम “धन परेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण व्यौरे में निरपवाद रूप से निदिष्ट किए गए हैं। खजाना चालान में निम्नलिखित व्यौरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए :—

(क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र संख्या और दिनांक
(ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाते हैं।

(ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि उसके पञ्चान सी ए ए एंड ए द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र का संदर्भ देते हुए और बीजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए खजाना चालान रुपया जमा करने का साक्ष्य देते हुए पंजोहन डाक द्वारा सी ए ए एंड ए को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी :— भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चय करना चाहिए कि रुपए का निक्षेप भारतीय बैंक, टोकियो की भ्रदायगी की सूचना और अपरिवर्तनीय पोतलान दस्तावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल बाद सी ए ए एंड ए वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

6(4) भारत में सम्बद्ध भारतीय बैंक को लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति घर रुपया निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और अपेक्षित “एस” प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक बम्बई को भेजना चाहिए।

भारतीय दूतावास, टोकियो द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो को दिए गए व्याज प्रभार आदि के अनुसार ही येन भुगतान के मूल्य रुपए की गणना की उपर्युक्त खंड 6 की कंडिका 6(1) में निर्धारित तरीके से की जाएगी और मुख्य लेखाधिकारी के नाम में जमा करा दिया जाएगा। विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली, सी ए ए एंड ए इस प्रयोजन के लिए उपयुक्त परामर्श जारी करेगा।

खंड-7 विविध व्यवस्थाएं

7(1) आयात लाइसेंस के उपयोग करने की रिपोर्ट आयातक का पोतलदान और उसके अधीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में साख पत्र खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्ट सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू सी ओ बैंक विल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली को भेजना चाहिए।

7(2) संभरकों की विशेष शर्तों के बारे में अधिसूचित करना लाइसेंसधारी के आयात लाइसेंस में दिए गए किसी उन विशेष उपबंधों से संभरक को अवगत करा देना चाहिए जो माल के लाने में संभरक पर प्रभाव डालती है।

7(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरकों के बीच कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें अनुबंध-2 में "भुगतान की शर्तें" के अन्तर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। संविदा की शर्तों में विवाद के निपटान से सम्बन्ध व्यवस्थाएं शामिल होनी चाहिए।

7(4) भविष्य अनुदेश

आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित या जापानी प्राधिकारियों के साथ येन क्रेडिट समझौते (परियोजना सहायता) सं० आई डी पी-28 के अधीन सभी आभारों को विदेशी आर्थिक निगम निधि, जापान (ओ ई सी एफ) के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए निदेशों, अनुदेशों या आदेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

7(5) अतिक्रमण या उल्लंघन

उपर्युक्त खंडों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

7(6) अनुबंधों की सूची

1. अनुबंध-1 पात्र स्रोत देशों की सूची
2. अनुबंध-2 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध
3. अनुबंध-3 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र
4. अनुबंध-4 साख-पत्र का प्रपत्र (वास्तविक आयातों के लिए लागू)
5. अनुबंध-5 साख-पत्र का प्रपत्र (सेवाओं के लिए लागू)

अनुबंध-1

पात्र स्रोत देशों की सूची

(क) विकासशील देश तथा उनके क्षेत्र

(घ-1) विदेशी आर्थिक सहयोग से भिन्न विकासशील देश

1. अफ्रीका, उत्तरी सहारा
मिस्र मोरोको तुनीशिया
2. अफ्रीका, दक्षिण सहारा
अंगोला बोत्सवाना बुरुण्डी
कैमरून केप वर्डी द्वीप केंद्रीय अफ्रीका
समूह गणतंत्र
चाद दमोरो द्वीप समूह कांगो, वाहोसे का
गणतंत्र
मध्य गिनी (1) इथोपिया जाम्बिया

घाना	गिनी	आइवरी कोस्ट
कीनिया	लेसोथो	लाइबीरिया
मागागासी गणतंत्र	मालावी	माली
मारितेनिया,	मुजम्बिक	नाइजर
मारीशस		
पुर्तगाली गिनी रि.	रियूनियम	रोडेसिया
टोंगा	सेंट हेलेना और डेप (2)	लाओ टोंग और प्रिन्सिप
संनेगल से	संचिलिंग	गिगरा बिओन
सोमालिया	सूडान	स्वाजीलैंड
टेरी आफर्म और इस्तात	टोंगो	युगान्डा
तंजानिया गणतंत्र	अपर बोल्टा	जाइरे गणतंत्र
संघ जाम्बिया		

3. अमेरिका, उत्तरी और केंद्रीय

बेहगन	बारबाडोज	बेलाइज
बरमूडा	कोस्टारिका	क्यूबा
डोमिनिकन गणतंत्र	एल सालवाडोर	गुवाटेमाला
ग्वाटेमाला	हेती	हॉन्डुरस
जमैका	माटिनिका	मैक्सिको
नीदरलैंड अंटिलीज	निकारागुवा	पनामा
सेंट पियरे और निकेलान, ट्रिनिडाद और टोबागो, वेस्ट इंडीज (शारा) एनआईई		
(क) गृह-संबद्ध राज्य (1)		
(ख) आश्रित (2)		

- (1) पहले स्पैन गिनी का प्रदेश फरोन्डा पो द्वी
गहित
- (2) निम्नलिखित द्वीपों सहित : --
असैन्शन, ट्रिस्टान्डा इन एसोसिजस, साइटिनोल्,
गफ
- (3) मुख्य द्वीप समूह, अरुबा, बोनाइरे, क्यूराकोओ,
साहा, सेंट

4. दक्षिणी अमेरिका

अर्जेन्टीना	बोलिविया	ब्राजील
चिली	कोलम्बिया	फॉर्न लैण्ड द्वीप
फ्रांसीसी गुयाना	गुयाना	समूह
पीरू	सूरिनाम	पराग्वे

5. मध्य-पूर्वी एशिया

बहरीन	इजराइल	जोर्डन
लेबनान	ओमान	प्रिन्सिप अरब गणतंत्र
यूनाइटेड अरब अमीरात (3)	यमन अरब गणतंत्र	यमन जनवादी का डी. आर. (4)

6. दक्षिण एशिया

अफगानिस्तान	बांगला देश	भूटान
धर्मा	भारत	माल द्वीप
नेपाल	पाकिस्तान	श्री लंका

7. सुदूर पूर्वी एशिया

बरुनी	हांगकांग	खमेर गणतंत्र
कोरिया गणतंत्र	लाओस	मलाओ
मलेवेसिया	फिलिपाइन	सिंगापुर
ताइवान	थाइलैण्ड	तिमोर
वियतनाम गणतंत्र	वियतनाम जन- वादी गणतंत्र	

8. ओसिनिया

कोक द्वीप समूह	फिजी	गिब्रल्टर और इलाहस द्वीप न्यूफाउन्डलैंड
फेंसिटी पोलि- नेशिया (5)	नारु	पोलिनेशिया द्वीप समूह (संयुक्त राज्य) (6)
न्यू हेब्रिडिस (ब्रि, और फ)	नियू	
पापुआ न्यू गिनी	सोलोमन द्वीप समूह (का)	टोंगा
वालिस और फुतुना	पश्चिमी सागोआ	

9. यूरोप

साइप्रस	जिब्राल्टर	ग्रीक
माल्टा	स्पेन	तुर्की
यूगोस्लाविया		

- (1) मुख्य द्वीप एन्टिगुवा, डोमिनिका, ग्रेनेडा, सेंट किट्स (सेन्ट क्रिस्टोफो) नेविस-अंगुइला, सेंट लूसिया और सेंट विसेन्ट.
- (2) मेन आईलैण्ड, मोन्तेनेग्रो, सेमान, तुर्की और फाह-कोस और ब्रिटिश बरजिन द्वीप समूह।
- (3) अजमन, दुबई, फुजाइरा, रास अल खैमा, शर-जाह और उम अल क्वैयन।
- (4) अदन और विभिन्न सलतनत और अमीरात सहित।
- (5) सांशायटी आई लैंड्स समूह (ताहिती सहित) को शामिल करते हुए आस्ट्रेल द्वीप समूह, टुआमोटु, जाम्बियार ग्रुप और माकेसस द्वीप समूह।
- (6) पेरिफेरिक द्वीप समूह की ट्रस्ट प्रदेश, धारोलीन द्वीप समूह, मार्शल द्वीप समूह और मेरिना द्वीप समूह (गाम को छोड़कर)।

(क) 2-ओ. पी. ई. सी. के सदस्य या सहयोगी देश

अल्जीरिया	बोलिविया	लॉनियार्ड अरब
गेबोन	नाइजीरिया	गणतंत्र
वेन्जुइला	ईरान	इक्वेडोर
कुवैत	कतार	ईराक
आबू-धाबी	इन्डोनेशिया	सऊदी अरब

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रार्थनापत्र

संख्या दिनांक

सेवा में,

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय,
आर्थिक कार्य विभाग,
यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग प्रथम मंजिल,
पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

विषय :—येन क्रेडिट सं. आई डी पी-28 (1984-85 के लिए प्रयोजना सहायता) के अन्तर्गत जापान से का आयात।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित येन क्रेडिट सं. आई डी पी-28 (प्रयोजना सहायता) के अधीन से को आयात के संबंध में (बैंक का नाम) जो कि वही होना चाहिए जो नीचे (ड) में संश्लेषण समुद्रपार संभरण के नाम में साख पत्र खोलने के लिए दिया गया है, कि प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित व्योरे प्रस्तुत करते हैं :—

(क) भारतीय आयात का नाम और पता

(ख) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह तारीख जिस तक वैध है।

(ग) प्राप्ति के तरीके क्या वह सीधे क्रय या औपचारिक खुले अंतर्राष्ट्रीय निविदा पर आधारित है। इसके मानने में यदि कोई कारण हो तो कारण सहित यह संकेतित होना चाहिए कि क्या निविदा या निर्णय उपयुक्त न्यूनतम तारीखी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।

(घ) माल का संक्षिप्त विवरण

(ङ.) माल का उद्गम देश

(च) यदि कोई हो तो पात से इतर स्रोत देशों से आयातित संघटकों का प्रतिशत।

(छ) संविदा या कुल जहाज पर निःशुल्क मूल्य (येन में)

- (ज) यदि कोई हो तो भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि (येन में) ।
- (झ) वास्तविक जहाज पर निशुल्क लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है ।
- (ञ) समुद्र पार के संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या एवं दिनांक ।
- (ट) विदेशी संभरक का नाम और पता :—
- (1) राष्ट्रिकता ।
 - (2) पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा लिए गए शेषों का प्रतिशत ।
 - (3) प्रतिनिधि की राष्ट्रिकता और/या संभरक का निवास-स्थान ।
 - (4) उन निदेशकों का प्रतिशत जो पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिक हैं ।
- (ठ) वे भुगतान शर्तें और संभावित तिथियां जिनकी संविदा के अन्तर्गत भुगतान देय होंगे ।
- (ड) सुपुर्दगी को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि ।
- (ढ) बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सैट की संख्या और उनका निपटान दिखाते हुए) ।
- (ण) पोतलदान अनुदेश (वाहनान्तरण/पार्टे-शिपमेंट की अनुमति दी गई है या नहीं निर्दिष्ट कीजिए) ।
- (त) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता ।
- (थ) क्या उसी लाइसेंस के अन्तर्गत संविदा (संविदाएं) कर दी गई हैं और जापानी प्राधिकारियों की अधिसूचित कर दी गई है, यदि हां तो ऐसी प्रत्येक संविदा की संख्या, दिनांक और मूल्य और वित्त मंत्रालय का वह संदर्भ जिसके अन्तर्गत आ. ई. सी. एफ. को इसे अधिसूचित किया गया है ।
- (द) क्या साख-पत्र के संचालन और रख-रखाव के लिए बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को देय बैंक खर्च आयातकों/या संभरकों द्वारा वहन किए जाने है ।
- (ध) आयोजन द्वारा वचनबद्धता :—

"हम एतद्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और दर से विदेशी संभरकों को लिए गए भुगतान के समतुल्य रुपये को पूरा और सही जमा करने का वचन देते हैं । प्रत्येक निक्षेप माल (आयातित मामूरी) की सुपुर्दगी सौंपने से पूर्व तत्काल ही धन राशियां जमा कराई जाएंगी । विदेशी राष्ट्री-

यता वालों की सेवाओं के लिए भुगतानों के मामले में, दिए गए ज्यों ही विदेशी संभरकों के सम्बद्ध बीजक हमारे द्वारा अनुमोदित कर दिए जाएं और संभरकों को भुगतान कर दिया जाए, रयों ही धनराशियां जमा करा दी जाएं ।"

अनुबन्ध-3

(प्राधिकार पत्र का प्रपत्र)

सं० एफ.

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में,

बैंक ऑफ इंडिया,

टोकियो शाखा,

टोकियो (जापान) ।

विषय :—येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) ऋण करार सं० आई डी पी-28 के अधीन आयात साख-पत्र खोलने के लिये प्राधिकार पत्र जारी करना ।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ 25-3-1980 को किये गये समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न ब्यौरे के अनुसार सर्वश्री के नाम में येन धनराशि के लिये अपरिवर्तनीय साख-पत्र खोलने के लिये प्राधिकृत किया जाता है ।

आपके बैंक द्वारा खोले गये प्रत्येक साख-पत्र की प्रति आयातक के बैंक, ओ ई सी एफ भारतीय दूतावास, टोकियो और हमें पृष्ठांकित की जाये ।

साख-पत्र की शर्तों के अनुसार प्रारम्भ में संभरकों को भुगतान आपकी निधि से किया जायेगा । भुगतान के साथ ओ ई सी एफ को आवश्यक दस्तावेज भेजकर किये गये भुगतान की प्रतिपूर्ति का दावा तत्काल करना चाहिये ।

संभरक को आपके द्वारा किये गये भुगतान की तिथि से आर ओ ई सी एफ द्वारा उसकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय के लिये आपको देय व्याज प्रभार का निपटान, आपके द्वारा भारत सरकार के लेखों को प्रभावी किये बिना सामान्य बैंकिंग सूतों के माध्यम से भारत में आयातक के सम्बद्ध बैंक के साथ किया जायेगा । बैंकों के अन्य खर्च जिसमें साख-पत्र खोलने, रख-रखाव करने और साख-पत्रों को जारी रखने के लिये खर्च भी शामिल है क्योंकि वे भी परक्राम्य दस्तावेजों के संचालन से संबंधित हैं और यदि कोई हो तो, विदेशी संभरकों के बैंकों के खर्च भी विदेशी संभरक को ही देने पड़ेंगे और इसलिये आयातक द्वारा उनका भुगतान नहीं किया जायेगा और इसलिये उन्हें सीधे ही संभरकों से प्राप्त किया जा सकता है ।

इस प्रकार ऐसे भुगतानों की प्रतिपूर्ति का बाधा ओ ई सी एफ में नहीं किया जा सकता। जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाता है और उसकी प्रतिपूर्ति आपको कर दी जाती है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में हम मंत्रालय को भेज दी जानी चाहिए।

यह प्राधिकार पत्र समुद्रपार संभरकों के नाम में साख-पत्र खोलने के लिये है इस मंत्रालय के विशिष्ट प्राधिकार के बिना इस प्राधिकरण के मद्दे खोलने गुण आगे के नये साख-पत्र या साख-पत्र में बाद में संशोधनों का अनुपालन नहीं किया जायेगा।

यह प्राधिकार पत्र तक वैध रहेगा।

भवदीय,

लेखा अधिकारी

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :—

1. आयातक को उनके पत्र सं० दिनांक के के संदर्भ में।

उनसे अनुरोध है कि वे बैंकरों से विनिमय दस्तावेजों की डिलीवरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकरों के माध्यम से रुपया निक्षेप आवि जमा कराने का प्रबंध करें। अपवाद परिस्थितियों के रूप में यदि माल की डिलीवरी सीधे ही सीमाशुल्क और पत्तन प्राधिकारियों से मूल पोतलदान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली जाती है, तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निक्षेप किये जाने चाहिये। विदेशी राष्ट्रीयता वाला द्वारा दी गई सेवाओं के लिये भुगतान के मामले में जैसे ही सम्बद्ध बीजक भुगतान द्वारा अनुमोदित हो जायें, निक्षेप कर दिये जायें। निक्षेप जल्दी ही और ठीक से न करने पर लाइसेंस की शर्तों में उल्लिखित आवश्यक कार्रवाई की जाये।

2. आयातक के बैंकर उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को येन भुगतान के बराबर रुपये जमा करने की व्यवस्था करे। संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रुपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं० 8-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाये के अनुसार संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की मिश्रित दर पर की जायेगी। प्रथम 30 दिनों के लिये 12% वार्षिक दर से और इससे अधिक अवधि के लिये 18% वार्षिक दर से व्याज जो कि संभरक को भुगतान की तारीख/बैंक आफ इंडिया की प्रतिपूर्ति की तारीख और जब समतुल्य रुपया भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाता है उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिये गिना गया है उसे भी सार्वजनिक सूचना सं० 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखों में भी जमा कराना अपेक्षित

है। व्याज दोनों दिनों के लिये देय है, अर्थात् वह तारीख जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और वह भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेखों में रुपया जमा कराया जाता है। (जब भी उस दर में परिवर्तन किया जायेगा उसे सूचित कर दिया जायेगा)। यह मुनिश्चित कर लेना चाहिये कि आयातक को सीमाशुल्क निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सेंट दिये जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है। ये धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में चालान के दाहिनी ओर कोड सं० 5130000009 दर्शाते हुए जमा करनी चाहिये। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं० 184-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 30-8-68; 233-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-68; 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71; सं० 74 आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 एवं सं० 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 में दिये गये प्रावधानों की ओर दिलाया जाता है। वह लेखा शीर्ष जिसमें रुपया जमा कराना है वह “के डिपॉजिट्स एंड एडवांसिज-843-सिविल डिपॉजिट्स-डिपॉजिट्स फार परचेजिज एटसेट्स अब्राड अंडर परचेजिज अंडर क्रेडिट/लीन एग्रीमेंट्स” लोन फ्रॉम दो गवर्नमेंट आफ जापान 8.195 विलियन येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं० आई टी सी-28 फार 1984-85 है।

जिन मामलों में तुल्य रुपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी में सार्वजनिक सूचना संख्या 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71 के अनुसार नकद जमा किया जाता है, उनके चालान की मूल रूप में एक प्रतिनिधि बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा ने प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देते हुए अग्रपण पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पत्र पर भेजी जायेगी :—

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग)
पहली मंजिल, यु सी ओ बैंक बिल्डिंग,
संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

जिन मामलों में तुल्य रुपया ऊपर संकेतित सादेजनिक सूचना सं० दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी हुई द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पत्र पर भेजी जानी चाहिये। सभी मामलों में जमा किये गये तुल्य रुपये का पूरा व्याज इस विभाग को भेजना चाहिए।

संभरक का भुगतान की तिथि से आर ओ ई सी एफ द्वारा उसकी प्रतिपूर्ति की तारीख तक के बीच के समय के लिये बैंक आफ इंडिया को दय व्याज प्रभार सीधे ही आपके द्वारा भारत सरकार के लेखों को प्रभावी किये बिना सामान्य बैंकिंग सूचों के माध्यम से भारत में आयातक के सम्बद्ध के साथ निपटाये जायेंगे।

3. निदेशक, ऋण विभाग-2, समुद्रपार आर्थिक सहयोग निधि, टेकवर्सी म्यूडी बिल्डिंग, 4-1, ओहाटमेची-1 कोमे, चियोडा कु टोकियो-100, जापान।
4. भारतीय दूतावास, टोकियो।
5. अवसरसचिव, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

अनुबन्ध—4

(ओ ई सी एफ एल सी-1 प्रपत्र)

अपरिवर्तनीय साख-पत्र
(माल के लिये लागू)

दिनांक.....

सेवा में,

प्रिय महोदय..... यह साख-पत्र (ऋणी) और
..... विदेशी आर्थिक सहयोग
(संभरक का नाम और पता) निधि के बीच हुए ऋण करार
सं०.....
दिनांक..... के
अनुसरण में जारी किया
गया है।

प्रिय महोदय,

हम सूचित करते हैं कि हमारे नाम में निकालने के
लिये बीजक के पूरे मूल्य के लिये दर्शनी हुण्डी द्वारा उपलब्ध
रकम या रकमों के लिये हमने अपरिवर्तनीय साख-पत्र संख्या
..... खोल दिया है जो
येन (..... येन कह सकते हैं) की
कुल धनराशि से अधिक नहीं है। इसे निम्नलिखित दस्तावेज
के साथ भेजा जाना है:—

हस्ताक्षरित वाणिज्यिक बीजक

क्लीन आन बोर्ड, समुद्री पोतलदान विल जिनमें दिये
गये आदेशों का पूरा सैट हो बैंक पृष्ठांकित एवं चिन्हित
“फ्रेट” एवं “नोटिफाई”

अन्य दस्तावेज जिसमें..... से.....
तक लदान का सत्यापन दिया गया हो (संविदा सं०.....)
(यदि कोई हो) के संदर्भ में संक्षिप्त विवरण आंशिक
पोतलदान स्वीकृत है। बाह्यान्तरण स्वीकृत है।

पोतलदान विल जो..... से बाद की तिथि का
नहीं होना चाहिये। आदेशों को..... 19... तक
अवश्य प्रस्तुत किये जाने चाहिये।

इस क्रेडिट के अन्तर्गत सभी ड्राफ्ट्स और दस्तावेजों
पर यह अंकन होना चाहिये। “अपरिवर्तनीय साख-पत्र
सं०..... दिनांक..... 19... के अन्तर्गत निकलवाया
गया और आयात संदर्भ सं० (संख्याएँ) यदि कोई हो, यह
क्रेडिट हस्तान्तरणीय नहीं है”।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत
और इसकी शर्तों का अनुपालन करके निकलवाए गए सभी ड्राफ्ट
प्रस्तुत करने पर और आदेशों को दस्तावेजों की सुपुर्दगी पर
विधिवत स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तार पूर्वक न बताया जाए
कि क्रेडिट “यूनिफार्म कस्टम एंड प्रेक्टिस फार डॉक्यूमेंट्स
क्रेडिटस (1974 रिवीजन) इन्टरनेशनल चैम्बर ऑफ कामर्स
पब्लिकेशन सं० 290,” के अधीन है।

सौदा करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश-

उपर्युक्त ऋण करार के अन्तर्गत जारी किए गए वचन-
पत्र की व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग
निधि द्वारा हमारे भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के
बाद हम वचन देते हैं कि हम सौदा करने वाले बैंक द्वारा
जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार हुण्डी की धनराशि को
लौटा देंगे।

2. सौदा करने वाले बैंक को यह बताते हुए हम ड्राफ्ट
और दस्तावेजों का एक पूर्ण सैट और इसके साथ एक
प्रमाण-पत्र अवश्य भेजे कि शेष दस्तावेज सीधे ही हवाई ठाक
द्वारा..... को भेज दिए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अन्तर्गत सभी बैंक के खर्च आयातक
संभरक के लेखे के लिए हैं।

भवदीय,

(.....)

वाणिज्यिक बैंक

द्वारा.....

प्राधिकृत हस्ताक्षर

भुगतान शर्तें

यह भुगतान हमारी साख-पत्र सं०..... का
अन्तिम अंग है।

1. प्रारंभिक भुगतान

धनराशि..... येन जो कि कुल
संविदा मूल्य के..... प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

2. मध्यवर्ती भुगतान (यदि कोई हो)

धनराशि..... येन जो कि
कुल संविदा मूल्य का..... प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

3. पोतलदान दस्तावेजों के मद्दे भुगतान

धनराशि..... येन
संविदा के कुल मूल्य का..... प्रतिशत है।

टिप्पणी:—पोतलदान दस्तावेजों के मद्दे पूर्ण भुगतान के
मामले में इस संलग्न दस्तावेज की आवश्यकता
नहीं है।

अनुबंध-5

(ओ ई सी एफ एल सी प्रपत्र-2)

अपरिवर्तनीय साख-पत्र
(सेवाओं के लिए लागू)

दिनांक

सेवा में, यह साख-पत्र ऋणी और
..... विदेशी आर्थिक सहयोग निधि
..... के बीच हुए ऋण करार
..... सं० दिनांक

(संभरक का नाम व पता) के अनुसरण में जारी किया गया है।

प्रिय महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम में निकालने के लिए पूर्ण व्यौरे मूल्य के लिए लाभकारी ड्राफ्ट एट साइट द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए आपके नाम में हमने अपरिवर्तनीय साख-पत्र सं० खोल दिया है जो येन..... (येन..... पहले) की कुल धनराशि से अधिक नहीं है।

इसमें संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित (संविदा..... और परियोजना.....) से संबंधित दस्तावेजों को नत्थी करना है सौदा तय करने के लिए ड्राफ्ट..... से पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

सभी ड्राफ्ट और दस्तावेज अपरिवर्तनीय साख-पत्र सं० दिनांक..... के अन्तर्गत भुना लिए गए हैं, से चिन्हित होने चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तान्तरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत इसकी शर्तों का अनुपालन करके भुनाए गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशितों को दस्तावेजों की सुपुर्वगी पर विधिवत स्वीकार किए जाएंगे।

अब तक अव्यथा रूप से विस्तार पूर्वक न बताया जाए, यह क्रेडिट "यूनिफार्म कस्टम एंड प्रेक्टिस फार डॉक्यूमेंटरी क्रेडिटस (1974 डिवीजन) इन्टरनेशनल चैम्बर ऑफ कामर्स नं 290" के अधीन है।

सौदा करने वाले बैंक को विशेष अनुदेश :

1. इसमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार (ऋणी और इसके मनोनीत अधिकारी) द्वारा जारी किए गए निष्पादन के मूल विवरण की प्राप्ति के पश्चात् इस क्रेडिट के अन्तर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में निर्धारित भुगतान अनुसूची के अनुसार किए जाने चाहिए। प्रारम्भिक भुगतान के मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के बजाए लाभकारी विवरण की आवश्यकता है।

ऊपर उल्लिखित ऋण समझौते के अधीन जारी किए गए वचनबद्धता पत्र के उपबन्धों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से अपने भुगतानों के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम ड्राफ्टों की धनराशि का मोल तोल करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार परेषित करने का वचन देते हैं।

3. उपर्युक्त मद 1 में यथा उल्लिखित दस्तावेज की एक प्रति और मसौदे हमें उसकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही भेजे जाएंगे।

4. इस साख के अन्तर्गत बैंक के सभी खर्च संभरकों के लेखे के लिए है।

भवदीय,

(वाणिज्यिक बैंक)

द्वारा
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान अनुसूची

यह भुगतान अनुसूची हमारे साख-पत्र सं० का एक अभिन्न अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि येन

कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है
अपेक्षित दस्तावेज लाभकारी विवरण की अंतिम भुगतान तिथि

2. भुगतान वृद्धि

सम्पूर्ण योग की धनराशि येन

कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत
निम्न प्रकार से भुगतान किया जाना है :—

देय धनराशि

अंतिम भुगतान तिथि

येन

पहली किस्त

येन

दूसरी किस्त

येन

अपेक्षित दस्तावेज (ऋणी अथवा उसके मनोनीत प्राधिकारी) द्वारा जारी किए गए निष्पादन के विवरण की एक प्रति जिसका एक प्रपत्र संलग्न है।

निष्पादन का विवरण

दिनांक .

सदर्थ

मेवा में

(संस्तरक का नाम और पता)

सदर्थ:—ऋण करार स० के अन्तर्गत
परियोजना में संबंधित के नाम से

. येन के लिए द्वारा
. जारी किए गए साख-पत्र की
स० दिनांक में

में, अधोहस्ताक्षरी, प्रतिनिधि (ऋणी) एतद्द्वारा
और के बीच समझौता स०
विनाक में निहित भुगतान की शर्तों के अनुसार
समुद्रपार आर्थिक सहायता निधि द्वारा की
धनराशि (. येन कवल) प्राप्त करने के
लिए एक निष्पादन विवरण जारी करता हूँ।

(.)

(ऋणी)

द्वारा

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष अनुदेश

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न पत्र में दर्शाया
जाएगा।

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO. 12-ITC (PN)/85-88

New Delhi, the 10th June, 1985

Subject: Licensing Conditions in respect of imports of goods and services under the Yen Credit of Yen 8.195 Billion for the implementation of the AONLA Fertilizer Plant Project of the Indian Farmers Fertilizers Cooperative Ltd. (IFFCO) extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan

(Issued from File No. IPC(23(16))84-85) —The terms and conditions governing the issuance of import licences under the 8,195 Billion Yen Credit extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the AONLA Fertilizer Plant Project of the Indian Farmers Fertilizer Cooperative Ltd. (IFFCO) as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

S. I. TRIPATHI, Chief Controller of Imports and Exports

Appendix to Ministry of Commerce Public Notice No. 12-ITC(PN)/85-88 dated the 10th June, 1985.

LICENCING CONDITIONS IN RESPECT OF IMPORTS OF GOODS AND SERVICES UNDER THE YEN CREDIT OF YEN 8.195 BILLION FOR THE IMPLEMENTATION OF THE AONLA FERTILISER PLANT PROJECT OF THE INDIAN FARMERS FERTILIZER CO-OPERATIVE LTD. (IFFCO) EXTENDED BY THE OVERSEAS ECONOMIC CO-OPERATION FUND (OECF) OF JAPAN

Section I—General Conditions

I (i) The Yen Credit of 8.195 billion extended by the Overseas Economic Co-operation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Aonla Fertiliser Project of IFFCO is untied in favour of Japan and all the developing countries including India. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

I (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTD/CG Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed Yen 9.1 billion (CIF)

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC (PN)/74, dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E, which also enjoins that the customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-P 28". The first and second suffix to the licence code will be "S/JC". This will also be repeated in the letter from the CCI&E forwarding the Import licence to IFFCO, a copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section).

I (iii) Import Licence(s) can be issued only in favour of IFFCO on CIF basis

I (iv) Depending on the convenience of IFFCO more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 9.1 billion (CIF) as specified at (i) above

I(v) Licences for import of Capital Goods will be issued with an initial validity period of 24 months. Request for extension/issue of a fresh import licence, if any, should be referred to the Deptt. of Economic Affairs (Japan Section).

I(vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I(vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the imports licence. Any payment towards Indian Agents commission should be made in Indian rupees to the agents in India, such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I(viii) Firm order must be placed on FOB/C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan section) within 4 months from the date of issue of the import licence. "Firm orders" means purchase orders placed by the Indian Licence on the overseas supplier duly signed by the letter or purchase contract duly signed by both the Indian importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or orders confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I(ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I (viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and Communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will the authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit acceptance of deposits

of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I(x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows:—

".....Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end

.....". In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-12-88.

Section II—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II(i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees. In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase orders and the supplier's order confirmation should be in English only.

II(ii) The procurement of all goods and services to be financed under the OECF Yen Credit for Aonla Fertiliser Project shall be made in accordance with the Guidelines for procurement under the loan with the following stipulations:—

(A) IFFCO shall procure goods and services to be financed out of the proceeds of the loan through formal Open International Tendering with pre-qualification. IFFCO shall obtain prior approval of OECF if it wishes to adopt procurement procedures other than Formal Open International Tendering submitting an application for approval of OECF through the Deptt. of E.A.

(B) Before advertisement and/or notification of pre-qualification, IFFCO shall submit to OECF for approval pre-qualification documents. When the pre-qualified firms have been selected, IFFCO shall submit to OECF for approval the list of those firms and report on the selection process giving reasons for the selection made, attaching all relevant documents:

(C) In case of procurement of goods and services of value not less than one hundred million Yen (100,000,000) IFFCO shall prior to inviting bids, submit to the Fund for its approval all notices and instructions to bidders, the bid form, the proposer contract, specifications and drawings and all other documents relevant to the bidding. In this case prior

to issuing a notice of award to the successful bidder, IFFCO shall submit to the Fund for its approval the analysis of bids and proposal for award.

(D) In case of procurement of goods and services of value less than one hundred million Yen (100,000,000) but not less than twenty million Yen (Y 20,000,000), IFFCO shall not be required to obtain prior approval of the Fund to the respective bidding but shall submit all the documents relevant to the bidding subsequent to the placement of order. In this case the last three lines of Section 4.09 of the Procurement Guidelines shall be disregarded.

(E) The Contract amount shall not be less than twenty million Yen unless otherwise agreed by the Fund.

(F) Contract shall be fixed and payable in Japanese Yen without any fraction less than one Yen.

(G) The bidding documents shall state which r the Eligible Source Countries.

(H) In the evaluation of bids, any bidder shall not be granted a margin of preference.

(I) All above documents shall be submitted by IFFCO to the OECF, in duplicate, through the Deptt. of Economic Affairs (Japan Section).

II (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen credit (Project Aid) No. ID-P-28 for 1984-85 the details of which are given in Section VI below.

II(iv) Eligibility of Supplier

The supplier shall be nationals of the eligible source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

II(v) Permissible imports from non-eligible source countries

Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than thirty percent (30%) of the price per unit of such products in accordance with the following formulae:—

$$\frac{\text{Imported CIF Price} + \text{Import Duty}}{\text{Supplier's FOB Price}} \times 100$$

(In case of Indian Supplier, Ex-factory Price shall be adopted).

II (vi) Declaration in Contract

The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier signed and dated by the supplier shall be added to each contract.

"I, the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in.....(name of eligible source country)."

I, the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than thirty per cent (30%) in accordance with the following formula :—

$$\frac{\text{Imported CIF Price} + \text{Import Duty}}{\text{Supplier's FOB Price}} \times 100$$

(Where applicable Ex-factory Price)

and

"I, the undersigned, hereby certify that..... (name of company) has been incorporated and registered in(name of eligible source country), and is controlled by nationals of the eligible source countries".

Section III— Conditions to be incorporated in the supply Contracts.

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 26th December 1984 concerning the Yen Credit No. ID-P-28 (Project Aid) for Aqua Fertilizer Project of IFFCO and will be subject to the approval of Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund.
- (b) Payments to the supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P.28 dated 26th December, 1984 between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).
- (c) The Overseas suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates [triplicate in the forms indicated in II (vi)].
- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that

the Japanese supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo.

Informed of the delivery schedule of the goods involved and notify then Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases where the Indian importer require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV — Contract Approval by OECF.

IV (i) With the stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both IFFCO and Overseas suppliers supported by order confirmation in writing by the overseas supplier or their photo copies complete in all respects, together with two photo copies of the relevant valid import licence, to Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (DEA) Japan Section will arrange to send one copy of the contract documents to the OECF for their approval for financing under Yen credit No. ID-P-28 (Project Aid) for Aonla Fertiliser Project of the IFFCO.

Section V—Payment to the Overseas suppliers—Letter of Credit Procedure

V (i) On receipt of the intimation of the contract approval from the OECF, by the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Japan Section, IFFCO and the CAA & A will be informed of the same. Whereafter the IFFCO should approach the Controller of Aid Accounts and Audit, (hereinafter referred to as CAA & A) Department of Economic Affairs, Ministry of Finance UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi with a request in the form attached at Annexure-II for issue of a letter of authorisation. The CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan

Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the Overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank in India and the CAA & A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would *ipso facto* apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo, if the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder and charges if any of overseas suppliers' bankers are to be borne by the importer/overseas suppliers. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank in India by remittance to the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V (v) Reimbursement Procedure

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE attached to the loan agreement.

The exchange rate of Indian Rupee per Japanese Yen shall be as ruling on the date of bid openings as specified in Section 4.07 of the Guidelines. Along with the Request for Reimbursement the Borrower shall also furnish a certificate from a recognized bank certifying the Yen-Rupee exchange rate on the day of bid opening.

Section VI — Responsibility for rupee deposit

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited

bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits all invariably made at RBI, New Delhi or S.B.I., Tis Hazari, Delhi, before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee-equivalents of the Yen payments calculated @ 12% per annum for the first 30 days and @ 18% per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83, dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74, dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/74, dated 12-10-1976.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 109-ITC(PN)/74, dated 3-8-1974 and No. 8-ITC(PN)/76, dated 17-1-76 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India.

Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amount due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities under exceptional circumstances. In case the importers fails to deposit the amount due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further LAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances - 843-civil Deposits—Deposits for purchase etc. abroad—Purchase under credits Loan Agreements"—Loans from the Government of

Japan—8,195 Billion Yen credit No. ID-P-28 for the Aonla Fertilizer Project.

VI(ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi, including Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)/68, dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)/68, dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)/71, dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74, dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76, dated 12-10-1976.

VI(iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) while filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71, dated 5-10-71 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans :—

(a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.

(b) Amount of Yen currently in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.

(c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note:—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI(iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section VIII—Miscellaneous Provisions

VIII(i) Reports on utilisation of the import licence

The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding

shipments and payments made there against and about the balance left, to the controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

VIII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions

The licencees should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VIII (iii) Disputes.

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licencee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo, must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VIII (iv) Future Instructions

The licencee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P-28 with the Overseas Economic Co-operation Fund of Japan (OECF).

VIII (v) Breach of Violation

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VIII (vi) List of Annexures :

- | | |
|--------------|--|
| Annexure—I | List of eligible source countries |
| Annexure—II | Request for issue of Letter of Authority. |
| Annexure—III | Form of Letter of Authority. |
| Annexure—IV | Form of Letter of Credit (Applicable to imports). |
| Annexure—V | Form of Letter of Credit (Applicable to Services). |

ANNEXURE I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a) Non-OPEC Developing Countries

1. AFRICA, North of Sahara

Egypt
Morocco
Tunisia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola
Botswana
Burundi
Cameroon
Cape Verde Islands
Central African Rep.
Chad
Comoro Islands
Congo, People's Republic of Dahomey
Equatorial Guinea (1)
Ethiopia
Gambia
Ghana
Guinea
Ivory Coast
Kenya
Lesotho
Liberia
Malagasy Republic
Malawi
Mali
Mauritania, Mauritius
Mozambique
Niger
Portuguese Guinea
Reunion
Rhodesia
Rwanda
St. Helena and dep (2)
Sao Tomé and Principe
Senegal
Seychelles
Sierra Leone
Somalia
Sudan
Swaziland
Togo
Terra. Afars and Issas
Uganda
Un. Rep. of Tanzania
Upper Volta
Zaire Republic
Zambia

III. AMERICA, North and Central

Bahamas
Barbados
Belize
Bermuda
Costa Rica
Cuba
Dominican Republic
El Salvador
Guadeloupe
Guatemala
Haiti
Honduras

AMERICA, North & Central—
(Continued)

Jamaica
Martinique
Mexico
Netherlands Antilles
Nicaragua
Panama
St. Pierre & Miquelon
Trinidad and Tobago

- (1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the Island of Fernando Po.
(2) Including the following Islands:—
Ascension, Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gough.
(3) Main Islands, Aruba, Bonaire, Curacao Saba, St.

West Indies (Br.) n.i.e.

- (a) Associated States (1)
(b) Dependencies (2)

IV. AMERICA, South

Argentina
Bolivia
Brazil
Chile
Colombia
Falkland Islands
French Guiana
Guyana
Paraguay
Peru
Surinam
Uruguay

V. ASIA, Middle East

Bahrain
Israel
Jordan
Lebanon
Oman
Syrian Arab Republic
United Arab Emirates (3)
Yemen Arab Republic
Yemen, People's D.R. (4)

VI. ASIA, South

Afghanistan
Bangladesh
Bhutan
Burma
India
Maldives
Nepal

Pakistan
Sri Lanka

VII. ASIA, Far East

Brunei
Hong Kong
Khmer Republic
Korea, Republic of
Laos
Macao
Malaysia
Phillippines
Singapore
Taiwan
Thailand
Timor
Viet-Nam, Rep. of
Viet-Nam, Dem. Rep.

VIII. OCEANIA

Cook Islands
Fiji
Gilbert & Ellice Is.
French Polynesia (5)
Nauru
NEW Caledonia
New Hebrides (Br. and Fr.)
Niue
Pacific Islands (US) (6)
Papua New Guinea
Solomon Islands (Br.)
Tonga
Wallis and Futuna
Western Samoa

IX. EUROPE

Cyprus
Gibraltar
Greece
Malta
Spain
Turkey
Yugoslavia

- (1) Main Islands :—Antigua, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Christopher), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.
(2) Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.
(3) Ajman, Dubai, Fujairah, Ras al Khaimah Sharjah and Umm al Quaiwain.
(4) Including Aden and various sultanates and emirates.
(5) Comprising the Society Islands (including Tahiti) The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands
(6) Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands, Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam).

(a2) Member of Association Countries of OPEC

Algeria
Bolivia
Libyan Arab Republic
Gabon
Nigeria
Ecuador
Venezuela
Iran
Iraq
Kuwait
Qatar
Saudi Arabia
Abu Dhabi
Indonesia

ANNEXURE-II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF
AUTHORITY No.....

DATE.....

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
U.C.O. Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi-110001.

Sub. :—Import of.....from Japan under the Yen
Credit No. ID-P. 28 (Project Aid for 1984-85).

Sir,

In connection with the import of from
..... under the above-mentioned Yen Credit
No. ID-P, 28(Project Aid). We furnish the following
particulars to enable you to issue the Letter of Autho-
rity to the (name of the Bank) which
should be the same as given in (p) below for opening
a letter of credit in favour of the overseas supplier
concerned

- (a) Name and Address of the Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or Formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Percentage of the import components from noneligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB/C&F value of contract (in Yen)

(h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.

(i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.

(j) Number and date of the contract with over-seas suppliers.

(k) Name and Address of the Overseas Supplier:—

(i) Nationality.

(ii) Percentage of the shares held by Nationals of the eligible source countries.

(iii) Nationality of the representative and/or President of the supplier.

(iv) Percentage of Directors who are nationals of eligible source countries.

(l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.

(m) Expected date of completion of deliveries.

(n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).

(o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).

(p) Name and address of the importer's Bank in India.

(q) Whether a contract (s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the O.E.C.F.

(r) Whether the banking charges of the Bank of India, Tokyo for opening, maintenance and operation of the Letter of Credit will be borne by the importer/supplier.

(s) Undertaking by the importer :—

“We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc., of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material importers). In case of payment for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payment made to the suppliers.”

ANNEXURE-III
(Letter of Authority Form)

This Letter of Authority will remain valid upto _____

No. F.
Government of India,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs
New Delhi, the

Yours faithfully,
(Accounts Officer)

Copy forwarded to :—

1. Importer — — — — with reference to their
letter No. — — — — dated — — — —

To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan)

Sub. :— Import under Yen Credit (Project Aid)
Loan Agreement No. ID-P. 28 Issue of Letter
of Authority for opening Letter of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25-3-1980 entered into with your Bank, you are hereby authorised to open irrevocable Letter of Credit for an amount not exceeding Yen _____ favouring M/s. _____ as per attached details.

A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, OECF, Embassy of India, Tokyo and to us.

Payment to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

Interest charges payable to you, for the time lag between the dates of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF shall be settled by you with the concerned Importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the importer overseas suppliers. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

As and when any payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc, at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. Importer's Banker—

They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas suppliers in accordance with the Public Notice No. 8ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or such other public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 12% per annum for the first thirty days and at the rate of 18% per annum for period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the Supplier/date of reimbursements to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government Account is also required to be deposited into the Government of India Account in terms of Public Notice No. 31—ITC(PN)/83 dated 10-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Suppliers and also the date on which rupee deposit is made into Government Account. (Any change in this rate will be intimated if and when made). It would be ensured that these deposits are made before the Original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No.5130000009 on the right hand corner of the challan or the S.B.I., Tis Hazari, Delhi, In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184—ITC(PN)/68 dt. 30-8-68, 233—ITC(PN)/68

dated 24-10-1968, 132-ITC(PN)/71 dt. 5-10-1971, No. 74—ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The ahead of account to be credited is "K-Deposits & Advances-843-Civil Deposits -Deposit for purchases etc. abroad under purchase under Credit/Loan Agreements"-Loans from the Government of Japan 8.195 billion yen Credit (Project Aid) No. ID-P. 28 for 1984-85.

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the S.B.I., Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations there of should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the dates of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

3. The Director, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Godo Building, 4-1. Ohtemachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer.

ANNEXURE-IV Form OECF-LC I

Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for goods)

Date :

To

(Name and address of
the Supplier)

This Letter of Credit has
been issued pursuant to
Loan Agreement No.

dated _____
between (Borrower) and
THE OVERSEAS ECO-
NOMIC COOPERAT-
TION FUND.

Dear Sirs.

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of _____ for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of _____ (Say Yen _____) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in Full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify Other documents.

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. _____ (If any) from _____ to _____ Partial shipments are _____ permitted. Transshipment is _____ permitted. Bills of lading must be dated not Later than Drafts must be presented for negotiation not later than _____

All drafts and documents under this credit must be marked "Drawn under _____ irrevocable credit No. _____ dated _____ and Import Reference No. (s) _____ (if any)

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating banks :

1. After obtaining the reimbursement for our payments from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.
2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to _____.
3. All banking charges under this credit are for the account of importer/suppliers.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By :

(Authorized Signature)

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our Letter of Credit No. _____

I. Initial Payment

Amount : _____

being _____ % of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

II. Intermediate Payment (if any)

Amount _____

being _____ % of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

III. Payment against Shipping Documents

Amount : _____

being _____ % of the total contract price.

Note : This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.

ANNEXURE—V

Form OECF-LC II

Irrevocable Letter of Credit
(Applicable for Services)

Date :

To _____

_____ This Letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. _____ dated _____, between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

(Name and address of the Supplier)

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Yen _____ (Say Yen _____) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto concerning (Contract No. _____ with regard to Project). Drafts must be presented for negotiation not later than.

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. _____ dated _____"

This credit is not transferable.

We here by undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated this credit is subject to "Uniform Customs and practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank :

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the payment schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments, the beneficiary's statement is required instead of the above-mentioned Statement of performance.
2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.
3. A Copy of the document as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.
4. All banking charges under this credit are for the account of the imports suppliers.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By _____
(Authorized Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No. _____

I. Initial Payment

Amount : Yen _____

being _____ % of the total contract price
Required documents : beneficiary's Statement
Latest Presentation date :

II. Progress Payment

Aggregate amount : Yen _____
 being _____ % of the total
 contract price to be paid as
 follows :

Amount due Latest presentation
 date

1st Instalment : Yen _____
 Yen _____

Required document : a copy of State of performance
 issued by (Borrower or its design-
 ated authority), a form of
 which is attached hereto.

Statement of Performance

Date :

Ref. No.

To

 (Name and address of the
 Supplier)

Re : Letter of Credit No. _____, date
 issued by _____
 for Yen _____ in favour of
 _____ concerning _____ Project
 under Loan Agreement No. _____

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby
 issue a Statement of Performance to entitle _____ to
 receive the sum of Yen _____ (Yen
 _____ only) from THE OVERSEAS ECONO-
 MIC COOPERATION FUND in accordance with
 the Payment Terms stipulated in the Contract
 No. _____, dated _____, between
 _____ and _____.

 (Borrower)

By :

 (Authorized Signature)

Special Instructions :

The details of the actual performance shall be
 stated in the sheet attached hereto.